ज्ञान शांति मैत्री

विकसित भारत अभियान 1947 TO 2047

Indian Council of Social Science Research

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग

के द्वारा आयोजित एवं

भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली

द्वारा प्रायोजित

राष्ट्रीय संगोष्ठी

सिनेमा,साहित्य और समाज का अन्तःसंबंध

24-25 फरवरी, 2025

स्थान : कस्तूरबा सभागार, श्यामा प्रसाद मुखर्जी भवन, म.गां.अं.हिं.वि.वि. वर्धा

पंजीकरण की अंतिम तिथि
17-02-2025

पंजीकरण लिंक
https://forms.gle/8t4u82zLR5qFLDGE9

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सम्मिश्र पद्धति (ऑनलाइन/ऑफलाइन) से किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के बारे में :

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997 क्रमांक 3 के अन्तर्गत स्थापित एक केन्द्रीय विश्वविद्यालय है । यह विश्विविद्यालय अपने तीन बीज शब्दों महात्मा गांधी, अंतरराष्ट्रीय और हिंदी को केन्द्रीय विषय मानते हुए हिंदी और महात्मा गांधी के विचारों को अन्तरराष्ट्रीय परिदृश्य पर स्थापित करने को प्रत्यनशील है। भारतीय ज्ञान परंपरा को आत्मसात् करते हुए, यह विश्वविद्यालय हिंदी में मौलिक ज्ञान उत्पादन के लिय कटिबद्ध है ।

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग :

गांधी एवं शांति अध्ययन विभाग विश्वविद्यालय के प्रारंभिक विभागों में से एक है । 2002 में स्थापित यह विभाग गांधी विचारों के साथ-साथ शांति अध्ययन को समाज विज्ञान के अनुशासन में नवाचार की तरह प्रस्तुत करता है । अन्तररानुशासनिक पद्धति से तैयार इसका पाठ्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरुप सी.बी.सी.एस. (Choice Based Credit System) मॉडल को केन्द्रीयता देता है । मूल्य आधारित और 'कौशल विकास' जैसी पाठ्चर्या को सम्मिलित करते हुए यह विभाग स्नातक, परास्नातक और पी-एच.डी. के कार्यक्रम संचालित करता है ।

संगोष्ठी के बारे में :

विगत कुछ वर्षों से सिनेमा को एक गंभीर विषय की तरह देखने/पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ी है ।आज यह माध्यम मनोरंजन मात्र का साधन न रहकर समाज को देखने उसे समझने और उसे व्याख्यायित करने का एक प्रमुख माध्यम बन गया है । सिनेमा और समाज का अतिशय जुड़ाव सिनेमा को समाज-विज्ञान के विभिन्न अनुशासनों का एक प्रमुख अनुषंगी बनाता हैं । अब तक समाज और कला रूपों की अंत:संबद्धता को समझने के लिये 'साहित्य' ही सर्वप्रमुख घटक था, लेकिन बदलती परिस्थितियों में 'साहित्य' के साथ-साथ सिनेमा को भी इसमें सम्मिलित करना सामाजिक परिस्थितियों और बदलाव को समझने के लिये एक अनिवार्य जरुरत है ।

इस दृष्टिकोण से सिनेमा, साहित्य और समाज की अंत:संबद्धता पर आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी की महत्ता स्वयंसिद्ध है । इस संगोष्ठी में समाज-विज्ञान, साहित्य और कला रूपों के अध्येताओं /शोधार्थियों/अध्यापकों के साथ-साथ इन क्षेत्रों में प्रत्यक्ष कार्य करने वाले आधिकारिक व्यक्तित्व भी शामिल होंगे, जिससे इस विषय को समग्रता में समझा जा सके ।

संगोष्ठी पंजीकरण की अंतिम तिथि : 17-02-2025

संगोष्ठी शोध-पत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि : 18-02-2025

संगोष्ठी-पत्र संप्रेषण हेतु ई-मेल : seminargps23@gmail.com

हिंदी में यूनिकोड (kokila Font 16)

अंग्रेजी में Times New Roman Font 12

पंजीकरण शुल्क जमा करने के लिए बैंक विवरण :

खाता संख्या : 972110110004943

IFSC कोड़ : BKID0009721

UPI : seminargps@ybl

पंजीकरण लिंक : https://forms.gle/8t4u82zLR5qFLDGE9

संगोष्ठी संबंधित जानकारी हेतु संपर्क करें :

सौरभ मिश्र+91- 8318331412

योगेश जांगिड़ +91- 8290987019

पंजीकरण शुल्क:

विद्यार्थी : ₹250/-

शोधार्थी : ₹750/-

शिक्षक : ₹1200/-

Scan & Pay Using PhonePe App

संगोष्ठी के उपविषय :

1. सिनेमा और साहित्य: सबअल्टर्न विमर्श
2. सिनेमा, साहित्य और राजनीति
3. सह-अस्तित्व, सिनेमा और साहित्य
4. सिनेमा, साहित्य और अभिव्यक्ति
5. सिनेमा में स्त्री विमर्श
6. ओटीटी सिनेमा और सामाजिक परिदृश्य
7. भारतीय सिनेमा और क्षेत्रीय साहित्य
8. सिनेमा, साहित्य और सांस्कृतिक विविधता
9. सिनेमा, साहित्य और सामाजिक बदलाव
10. सिनेमा, साहित्य और इतिहास
11. सिनेमा, साहित्य और रंगमंच
12. सिनेमा में गांधी
13. सिनेमा और लोक संस्कृति
14. सिनेमा, साहित्य और अन्य कलाएं
15. सिनेमा और शांति
16. सिनेमा और हिंसा
17. सिनेमा, साहित्य और मीडिया
17. सिनेमा, साहित्य और मीडिया
18. सिनेमा, साहित्य और बाजार
19. सिनेमा, साहित्य और पर्यावरण चेतना
20. सिनेमा, साहित्य और प्रेम
21. सिनेमा, साहित्य, मज़दूर और किसान
22. सिनेमा, साहित्य और हमारे सामाजिक मुद्दे
23. सिनेमा, साहित्य और युवा पीढ़ी
24. सिनेमा, साहित्य और दिव्यांग जन
25. सिनेमा, साहित्य और सामाजिक मूल्य
26. सिनेमा, साहित्य और नैतिक मूल्य
27. सिनेमा, साहित्य और सेंसरशिप
28. सिनेमा, साहित्य और मानसिक स्वास्थ्य
29. सिनेमा और आदिवासी विमर्श
30. सिनेमा और प्रवासन
31. सिनेमा और भाषा
32. सिनेमा की पहुँच
33. सिनेमा और वैश्विक बाजार
34. सिनेमा और राष्ट्रवाद
35. सिनेमा और साझा संस्कृति
36. सिनेमा और वर्तमान समय और हमारा समाज

नोट : 1. अन्य विश्वविद्यालयों के चयनित प्रतिभागियों के लिए आवास/भोजन की व्यवस्था विश्वविद्यालय द्वारा की जाएंगी ।

2. संगोष्ठी में चयनित शोध आलेखों को ISSN No. वाले पीयर रिव्यूड जर्नल में प्रकाशित किया जाएगा।